दिसम्बर: 2022 वर्ष : 6 अंक : 3

सिफरी मासिक समाचार

क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं

नील क्रांति की ओर अग्रसर

निदेशक की कलम से

"यदि हम असफलता से शिक्षा प्राप्त करते हैं तो वह सफलता ही है।"- मैल्कम फोर्ब्स

संस्थान का मासिक न्यूज़लेटर का दिसंबर 2022 अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। प्रस्तुत अंक में संस्थान में नवंबर माह में हुये कार्यकलापों को दिखाया गया है।

सर्वप्रथम आप सभी को क्रिसमस पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई। प्रेम और सौहार्द का पर्व, क्रिसमस का इतिहास कई हजार साल पुराना है। यह विशेष दिन ईसाई धर्म के भगवान ईसा मसीह का जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व पर क्रिसमस ट्री का विशेष महत्व होता है। इस दिन पेड़ों को सजाने की परंपरा सालों से चली आ रही है क्योंकि क्रिसमस ट्री को जीवन की निरंतरता का प्रतीक माना जाता है।

दिसंबर का महीना वर्ष का अंतिम माह है जो नए वर्ष के आगमन का संदेश लेकर आता है। साथ ही हमें यह प्रेरणा देता है कि हम सभी आत्म विश्लेषण करें ताकि नए वर्ष के लिए लक्ष्य सुनिश्चित करने के साथ अपने जीवन को और भी सफल बनाने के लिए प्रयास कर सकें ।

मैं पुनः आप सभी को क्रिसमस पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई देता हूँ और आपके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूँ ।

शुभकामनाओं सहित,

(बसन्त कुमार दास)

केंद्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

संस्थान ने 31 अक्टूबर से 6 नवंबर 2022 के दौरान "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" मनाया, जिसका विषय "भ्रष्टाचार मुक्त भारत एक विकसित राष्ट्र के लिए" था। निदेशक महोदय द्वारा 31 अक्टूबर को अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाकर सप्ताह भर चलने वाले समारोह की शुरुआत की गई। केंद्रीय सतर्कता आयोग पोर्टल पर जाकर कई कर्मचारियों ने ई-प्रतिज्ञा भी ली। भाकृअनुप-केंद्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए संस्थान परिसर में भ्रष्टाचार के बुरे प्रभावों को दर्शाने के लिए

बड़ी संख्या में पोस्टर, बैनर, तख्तियां प्रदर्शित की गईं। अगले दिन सभी कर्मचारियों ने भ्रष्टाचार से लड़ने में एकजुटता और एकता दिखाते हुए एक मानव श्रृंखला बनाई। धोखाधड़ी/भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी आवाज उठाने के लिए आम जनता को जागरूक और संवेदनशील बनाने के लिए मानव श्रृंखला के बाद स्थानीय फेरी घाट तक एक वॉकथॉन का आयोजन किया गया, जो एक व्यस्त आवागमन जंक्शन है। वॉकथॉन ने स्थानीय लोगों और यात्रियों के बीच बहुत रुचि पैदा की।

02 नवंबर को संस्थान के कर्मचारियों के लिए सतर्कता पर केंद्रित एक चित्र कला प्रतियोगिता आयोजित की गई। 03 नवंबर को छात्रों, युवा पेशेवरों और सभी कर्मचारियों के लिए एक आशु भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। 04 नवंबर को डगलस मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल, बैरकपुर में भ्रष्टाचार और सतर्कता पर एक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया, जिसमें संस्थान के सतर्कता अधिकारी डॉ. अरुण पंडित ने सतर्कता, भ्रष्टाचार और अखंडता पर विभिन्न मुद्दों पर बात की. इसी विद्यालय के सीनियर छात्रों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 5 नवंबर को कर्मचारियों के लिए प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सप्ताह भर चलने वाले उत्सव का समापन

07 नवंबर को एक समापन समारोह के माध्यम से किया गया, जिसमें श्री आलोक राजोरिया, आईपीएस, पुलिस आयुक्त, बैरकपुर पुलिस आयुक्तालय मुख्य अतिथि थे। उन्होंने नैतिक आचरण, ईमानदारी और अखंडता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए एक विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया। डॉ. बि. के. दास, निदेशक ने भ्रष्टाचार मुक्त संगठन के लिए पारदर्शिता और निवारक सतर्कता के महत्व पर चर्चा की। संस्थान के सतर्कता अधिकारी डॉ. अरुण पंडित ने स्वागत भाषण दिया और सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान की गई गतिविधियों के बारे में सदन को जानकारी दी। डॉ. सुबीर कुमार नाग प्रमुख, मात्स्यिकी संसाधन एवं सूचना विज्ञान प्रभाग द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

केंद्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान ने सुंदरवन के सुदूर छेत्र में "आदिवासी गौरव दिवस" मनाया

महानतम भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों में से एक, बिरसा मुंडा की जयंती मनाने के लिए, भाकृअनुप-केंद्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान 15 नवंबर, 2022 को पश्चिम बंगाल के सुंदरबन के दूरदराज के गांवों में पहुंचा। इस अवसर पर, डॉ. बि.के. दास, निदेशक अपनी टीम के साथ काकद्वीप के पालोतघाट गांव में अनुसूचित जनजाति घटक के अंतर्गत वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी और शोधार्थी के साथ एक जन

जागरूकता सह इनपुट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। बिरसा मुंडा एक आदिवासी परिवार के पुत्र थे, स्थानीय आदिवासी महिलाओं के समूह द्वारा श्रद्धांजलि के रूप में पारंपरिक आदिवासी नृत्य "धमसा" की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

डॉ. बि. के. दास, निदेशक, सी. आई. एफ. आर. आई. ने बिरसा मुंडा को फूल देकर और दीप जलाकर श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में, डॉ. दास ने मछुआरा समुदाय की आजीविका सुरक्षा के संबंध में वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य पालन के महत्व की ओर जोर दिया। उन्होंने स्थानीय

आदिवासी मछुआरों को मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए हर तरह की तकनीकी सहायता देने का आश्वासन भी दिया, जो अंततः उन्हें अपनी आजीविका में सुधार करने में मदद करेगा। इस दिन, डॉ. दास ने 150 आदिवासी परिवारों को 750 किलोग्राम मत्स्य बीज, 15 टन मत्स्य खाद्य और 3 टन चूना वितरित किया। "सागर कृष्णानगर स्वामी विवेकानंद यूथ कल्चरल सोसाइटी" नामक एक स्थानीय गैर सरकारी संगठन के सहयोग से संस्थान द्वारा समग्र कार्यक्रम की परिकल्पना और संचालन किया गया था। समग्रता में इस कार्यक्रम ने स्थानीय आदिवासी मछुआरों को आजीविका में सुधार की दिशा में वैज्ञानिक विधि से मत्स्य पालन के लिए बहुत प्रेरणा दी।

भाकृअनुप- केंद्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर ने विश्व मत्स्य दिवस, 2022 का आयोजन

विश्व मत्स्य दिवस हर साल 21 नवंबर को दुनिया भर के सभी मछुआरों, मत्स्य कृषको और मत्स्य पालन के संबंधित हितधारकों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य अन्तर्स्थलीय और समुद्री संसाधनों की स्थिरता के लिए अत्यधिक मत्स्य प्रगरण, मत्स्य आवास विनाश और अन्य गंभीर खतरों पर ध्यान आकर्षित करना है। इस दिन को मनाने और देश में अन्तर्स्थलीय जल के मत्स्य पालन के प्रबंधन में स्थिरता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, सिफरी ने 21 नवंबर 2022 को अपने मुख्यालय (बैरकपुर) में निम्नलिखित कार्यक्रमों के साथ विश्व मत्स्य दिवस 2022 मनाया।

साम्प्रदायिक सदभावना शपथ कार्यक्रम की शुरुआत में संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने अतिथियों और प्रतिभागियों के साथ साम्प्रदायिक सदभावना की शपथ ली और फाउंडेशन के संसाधनों को बढ़ाने के लिए धन भी इकठ्ठा किया, क्योंकि हमारा देश शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता का संदेश फैलाने के लिए 19-25 नवंबर के दौरान साम्प्रदायिक सौहार्द सप्ताह मना रहा था।

उद्घाटन कार्यक्रम: विश्व मत्स्य दिवस का उद्घाटन श्री स्वामी शिवपूर्णानंद, सहायक प्रशासनिक प्रमुख, आई आर डी ऍम एफ/सी और उपाध्यक्ष एस एस के वी के, और अध्यक्ष, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान, मुख्य अतिथि के रूप में और प्रोफेसर आशीष कुमार पाणिग्रही, प्रो-वाइस चांसलर, बर्दवान विश्वविद्यालय क्रमशः सम्मानित अतिथि, की उपस्थिति में हुआ।। श्री स्वामी शिवपूर्णानंद ने आईसीएआर-सिफरी की स्थापना के बाद से अंतर्स्थलीय मत्स्य पालन के सतत विकास में योगदान के लिए बधाई दी और सराहना की, उन्होंने मछुआरों से इस क्षेत्र

में स्थिरता प्राप्त करने के लिए सी. आई. एफ. आर. आई. के शोधकर्ताओं के साथ सहयोग करने का भी आग्रह किया। प्रो. ए.के. पाणिग्रही ने इस शुभ दिन पर मछुआरे के प्रति आभार व्यक्त किया और किसानों को अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मछली उत्पादन पर आत्मनिर्भर होने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान डॉ. बि. के. दास, निदेशक, आईसीएआर-सिफरी ने अपने संबोधन में उल्लेख किया कि मत्स्य पालन विश्व की 10करोड़ से अधिक

आबादी को भोजन और आजीविका प्रदान करता है, इसलिए यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सतर्क रहे और मत्स्य संसाधनों की खोज में अधिक सतर्क रहें और मछुआरों से आग्रह किया कि इन संसाधनों से मत्स्य प्रग्रहण के प्रति अधिक जिम्मेदार हो । साथ ही, इस अवसर पर "किसानों की आय दोगुनी करना: सतत विकास दृष्टिकोण" पर एक वृत्तचित्र और 9 भारतीय जलाशयों के पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड भी जारी किए गए।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) जागरूकता: रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह एक वैश्विक अभियान है जो एएमआर की जागरूकता और समझ में सुधार करने और जनता, स्वास्थ्य हितधारकों और नीति निर्माताओं के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सालाना मनाया जाता है, जो सभी आगे एएमआर का प्रसार के उद्भव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉ. ए.के. साहू, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने प्रतिभागियों को संवेदनशील बनाने के लिए एएमआर पर एक प्रस्तुति दी। इस संबंध में मछुआरों, मछली किसानों, अन्य मत्स्य हितधारकों और अतिथियों के साथ शपथ भी ली गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय विशेषज्ञ के साथ इंटरफेस: पश्चिम बंगाल के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्र से मत्स्य विज्ञान के विशेषज्ञ के साथ एक इंटरफेस कार्यक्रम आयोजित किया गया था। श्री प्रशांत चटर्जी, केवीके निम्पिथ; श्री स्वागत घोष, साश्य श्यामला केवीके सोनारपुर; श्री. समीरन पात्रा, केवीके मुर्शिदाबाद; श्री. देबदास शेखर, केवीके दिनाजपुर और डॉ. अनिंद्य नायक, कृषि विज्ञान केंद्र अशोकनगर ने अपने विचार और अनुभव साँझा किए।

मछली किसानों का अभिनंदन: कार्यक्रम में सुंदरबन सहित पश्चिम बंगाल के विभिन्न कोनों से 100 से अधिक मछुआरों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, एक उद्यमी, एक मछुआरा सहकारी समिति, पश्चिम बंगाल राज्य की 2 महिलाओं सहित 3 मछली किसानों को अंतर्स्थलीय मत्स्य पालन के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए संस्थान द्वारा सर्वश्रेष्ठ मछली किसान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

रिवर रैंचिंग: गंगा नदी प्रणाली में स्वदेशी मछलियों के संरक्षण और उत्पादन में वृद्धि के लिए इंडियन मेजर कार्प्स (IMCs) के कुल एक लाख दस हजार अन्गुलिकों और विशालकाय फ्रेशवाटर प्रॉन, मैक्रोब्राचियम रोसेनबर्गी के 20000 किशोरों को विश्व मात्स्यिकी दिवस के अवसर पर हुगली नदी में श्योराफुल्ली घाट पर प्रावाहित किया गया। जिला मत्स्य अधिकारी,मत्स्य पालन विभाग आंध्र प्रदेश सरकार द्वार आंध्र प्रदेश सरकार और आईसीएआर-सिफरी, बैरकपुर के बीच ज्ञान भागीदार के रूप में मत्स्य पालन और जलीय कृषि में तकनीकी सेवाएं प्रदान करने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में विश्व मत्स्य दिवस समारोह: प्रयागराज के मांडा में आईसीएआर-सिफरी के प्रयागराज केंद्र द्वारा 100 से अधिक मत्स्य कृषको की भागीदारी के साथ विश्व मात्स्यिकी दिवस पर एक जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। मछुआरों को इनपुट भी बांटे गए।

संस्थान के कोच्चि केंद्र ने सार्वजनिक मंच पर संस्थान की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए केरल सरकार के मात्स्यिकी विभाग द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी, 'केरेला फिश फेस्ट' में भी भाग लिया।

डॉ. ए.के. दास, हेड आरडब्ल्यूएफ एंड आई/सी और तथा डॉ. अपर्णा रॉय, वरिष्ठ वैज्ञानिक, विस्तार एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ द्वारा कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समन्वयन एवं सुश्री टी. एन. चानू, वैज्ञानिक और श्री सुजीत चौधरी, एसीटीओ, आईसीएआर-सिफरी, बैरकपुर द्वारा सह-समन्वित किया गया।

विश्व मात्स्यिकी दिवस पर सिफरी द्वारा मत्स्य जाल का वितरण

विश्व मात्स्यिकी दिवस, 21 नवम्बर 2022, के अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केन्द्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सिफरी), प्रयागराज के द्वारा एक जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पवित्र पावन गंगा तट पर स्थित माण्डा के नरवर चैखट्टा, गाँव के पास स्थित मछुआरों के बस्ती में सम्पन्न हुआ। इसमें मछुआरों को नदियों और मछलियों के बारे में जागरूक किया गया तथा जीविकोपार्जन के लिए सक्रिय मछुआरों को उचित आकार का सम्मुन्नत जाल दिया गया। संस्थान के केन्द्राध्यक्ष डा० डी एन झा ने

उपस्थित लोगों को नमामी गंगे परियोजना के बारे में जानकारी दी साथ ही लोगो को गंगा के जैव विविधता, मत्स्य संरक्षण और स्वच्छता के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजेश शर्मा, संयोजक गंगा विचार मंच, प्रयागराज ने भाग लिया। उन्होने गंगा को बचाने के लिए उपस्थित लोगों से आह्वान किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री मानबेन्द्र सिंह, पूर्व अधिकारी, भारतीय खाद्य निगम, भारत सरकार ने भाग लिया और सभा को सम्बोधित किया। उन्होने सम्बोधन में कहा कि गंगा है तो मानव सभ्यता है। इसलिए सभी को गंगा के प्रति जागरूक होना चाहिए साथ ही गंगा को स्वच्छ रखने का संकल्प व्यक्त किया। संस्थान द्वारा विश्व मात्स्यिकी दिवस के अवसर पर सक्रिय एवं आर्थिक रूप से कमजोर मछुआरों को मछली पकड़ने के लिए जाल वितरित किया गया। मछुआरों से आग्रह किया गया कि आखेट के दौड़ान छोटे आकार के भारतीय प्रमुख कार्प को जाल से न पकड़े और जाल में फसने पर पुनः पानी में छोड़ दें। जिससे नदी में इन मछलियों की संख्या बढ़ेगी और नदी को स्वच्छ रखने में सहायता होगी।

भाकृअनुप-सिफरी ने आंध्र प्रदेश सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

21 नवंबर 2022: विश्व मात्स्यिकी दिवस के अवसर पर भाकृअनुप- केंद्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान ने आंध्र प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री वाई.एस. जगनमोहन रेड्डी की गरिमामयी उपस्थिति में आंध्र प्रदेश मत्स्य विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले के नरसापुरम में एपी एक्वा विश्वविद्यालय के शिलान्यास समारोह के मौके पर यह किया गया। देश के कुल मछली उत्पादन में आंध्र प्रदेश पहले स्थान पर है और भारत के एक्वा हब के रूप में जाना जाता है। आंध्र प्रदेश सरकार ने मछली की उत्पादकता और उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य के मत्स्य संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने की परिकल्पना की है।

भाकृअनुप- केंद्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान संबंधित तकनीकी सेवाओं के विस्तार के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के साथ ज्ञान साथी के रूप में मिलकर काम करेगा और निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करेगा :

• राज्य में केज कल्चर की स्थापना के लिए जलाशय-वार प्रबंधन योजना सहित सतत मत्स्य पालन मॉडल का विकास; पेन कल्चर के माध्यम से बीज का विकास; वस्तुनिष्ठ तरीके से जलाशयों में मछली और झींगा बीज का भंडारण आदि। विभिन्न आईसीएआर-सिफरी प्रौद्योगिकियों का प्रसार और प्रयोग; आरबीके स्तर पर प्रभावी प्रयोगशालाओं के लिए डिजाइन ढांचा की तैयारी और मत्स्य विश्वविद्यालय के लिए नए दृष्टिकोण का संचार।

डॉ (श्रीमती). पूनम मालाकोंडिया आईएएस, विशेष मुख्य सचिव (पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन) आंध्र प्रदेश सरकार और श्री.कन्ना बाबू, आईएएस, मत्स्य आयुक्त इस अवसर पर उपस्थित थे।

भाकृअनुप-सिफरी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी में 'असम के अंतर्स्थलीय जल निकायों में मत्स्य पालन और जलीय कृषि' तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

भाकृअनुप - केंद्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी ने 24-26 नवंबर, 2022 के दौरान असम के नागांव और मोरीगांव जिले के, 15 मछली किसानों के लिए 'असम के अंतर्स्थलीय जल निकायों में मत्स्य पालन और जलीय कृषि' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम नाबार्ड, असम द्वारा प्रायोजित किया गया था और सामाजिक कार्य और अनुसंधान केंद्र (गैर सरकारी संगठन), जुरिया, नागांव, असम के सहयोग से आयोजित किया।

कार्यक्रम के दौरान, किसानों को मछली तालाबों के डिजाइन और निर्माण, एकीकृत मछली-सह-पशुधन खेती, मछली बीज उत्पादन, मछली स्वास्थ्य प्रबंधन, जल और मिट्टी की गुणवत्ता प्रबंधन, समग्र मछली संस्कृति, बाढ़ के मैदानों में मत्स्य पालन बढ़ाने, मछली चारा पर प्रशिक्षण दिया गया। और साथ ही फ़ीड तैयार करने के विभिन्न चरणों पर एक व्यावहारिक सत्र का भी आयोजन किया गया।

कोलॉग-कपिली (गैर सरकारी संगठन), कामरूप, असम में एक फील्ड विजिट का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों को बागवानी और एक्वा-टूरिज्म सहित मछली पालन के तरीकों से अवगत कराया गया। कोलॉग-कपिली के निदेशक श्री ज्योतिष तालुकदार ने अपने एनजीओ की विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन डॉ. बि. के. दास, निदेशक और पाठ्यक्रम निदेशक; डॉ. बी.के. भट्टाचार्य, प्रमुख और संयोजक और डॉ. दीपेश देबनाथ, वरिष्ठ वैज्ञानिक और डॉ. सीमांकु बोरा, वैज्ञानिक और आयोजन सचिवों, डॉ. सोना येंगकोकपम, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. एस.सी.एस. दास, वरिष्ठ वैज्ञानिक और सुश्री नीति शर्मा, वैज्ञानिक और सह-संगठन सचिव और डॉ. प्रणब दास, वरिष्ठ वैज्ञानिक, श्री संजीत सैकिया, वाई पी II और केंद्र के सभी कर्मचारी द्वारा सक्रिय रूप से प्रबंधित किया गया ।

भाकृअनुप-सिफरी ने सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह और झंडा दिवस मनाया

भाकृअनुप - केंद्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान ने शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता पर संदेश फैलाने और संगठन के कर्मचारियों के बीच सांप्रदायिक सद्भाव की भावना को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए 19-25 नवंबर, 2022 तक सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह और 25 नवंबर, 2022 को झंडा दिवस मनाया।

केंद्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान इस अभियान को राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव फाउंडेशन, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के साथ एक स्वायत्त संगठन के भागीदार के रूप में मनाता है। डॉ. बि. के. दास, निदेशक के निर्देशन में सभी कर्मचारियों द्वारा प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्रीय एकता पर 21 नवंबर, 2022 को सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों की शुरुआत की गई थी। सप्ताह भर चलने वाले संवेदीकरण कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न स्थानों पर बैनर और पोस्टर प्रदर्शित करना शामिल था, ताकि कर्मचारियों को सांप्रदायिक सद्भाव का पालन करके भाईचारा और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए संवेदनशील बनाया जा सके। आगे, स्वैच्छिक निधि-स्थापना अभियान भी आयोजित किया गया जिसमें संस्थान के कर्मचारियों ने उत्साह और उत्साह के साथ योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, 25 नवंबर, 2022 को झंडा दिवस मनाया गया और सांप्रदायिक सद्भाव का समर्थन करने के लिए स्टाफ सदस्यों द्वारा झंडा लगाया गया।

समापन कार्यक्रम में डॉ. एम. ए. हसन और डॉ. एस. सामंत, प्रधान वैज्ञानिक और कार्यवाहक प्रभाग प्रमुख ने नागरिकों की भाषा, क्षेत्र, जाति, जनजाति और धर्म-आधारित विविधता की ताकत पर टिप्पणी की और धर्मनिरपेक्षता, सांप्रदायिकता विरोधी और साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा दिया संस्थान के निदेशक डॉ. बि.के. दास ने नागरिकों की विभिन्न विविधताओं को सद्भाव, शांति और एकीकरण में सामंजस्य स्थापित करने में एक वैश्विक नेता के रूप में भारत का उदाहरण स्थापित करने पर जोर दिया।

सिफरी ने विश्व रोगाणुरोधी प्रतिरोध जागरूकता सप्ताह, 2022 मनाया

भाकृअनुप - केंद्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान ने 18 से 24 नवंबर, 2022 के दौरान पश्चिम बंगाल के विभिन्न स्थानों पर "एक साथ रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकना" विषय के साथ विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (डब्ल्यूएएडब्ल्यू) मनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों के बीच रोगाणुरोध पर जागरूकता पैदा करना था। मछुआरों और मछली किसानों को i) जलीय कृषि और खुले जल मत्स्य पालन में एंटीबायोटिक दवाओं/रसायनों के उपयोग को कम करना और ii) टिकाऊ मछली उत्पादन के लिए सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं को प्रोत्साहित करना। पहला जागरूकता कार्यक्रम “नंदीग्राम एक्वाफार्म वेलफेयर सोसाइटी” के सहयोग से गंगराचर, नंदीग्राम-1 (पूर्वी मेदिनीपुर) में श्री अनिर्बन कोले, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम), श्रीमती सुनीता सेनगुप्ता, बीडीओ, नंदीग्राम, और श्री सुमन कुमार साहू, मत्स्य विस्तार अधिकारी, राज्य मत्स्य विभाग, पश्चिम बंगाल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। डॉ. बि. के. दास, निदेशक, भाकृअनुप-केंद्रीय

अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और झींगा पालन में इन रसायनों के दुरुपयोग के कारण संक्रामक और उभरते झींगा रोगजनकों के खिलाफ रसायनों के उपयोग और एएमआर के प्रसार पर प्रकाश डाला। श्री कोले, एडीएम ने एक स्वास्थ्य अवधारणा के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य और पशुओं के लिए एएमआर के महत्व को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम में 250 से अधिक किसानों ने भाग लिया। भाकृअनुप-केंद्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान द्वारा विश्व मत्स्य दिवस समारोह के साथ-साथ, 21 नवंबर 2022 को पश्चिम बंगाल के आसपास के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्र के किसानों, छात्रों और विषय विशेषज्ञों के बीच विश्व रोगाणुरोधी सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री स्वामी शिवपूर्णानंद प्रशासनिक प्रमुख, आईआरडीएम एफ/सी और उपाध्यक्ष एसएसकेवीके, और अध्यक्ष आरकेएमवीआरआई (रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान) के द्वारा किया गया । प्रोफेसर आशीष कुमार पाणिग्रही, प्रो-वाइस चांसलर, बर्दवान विश्वविद्यालय सम्मानित अतिथि के रूप में और डॉ. बि.के. दास, निदेशक, भाकृअनुप-सिफरी कार्यक्रम में शामिल थे । आम जनता और पशु स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए एएमआर पर एक प्रतिज्ञा डॉ. बि.के. दास और छात्रों, किसानों, आईसीएआर-सिफरी के स्टाफ सदस्यों और विभिन्न संस्थानों के आमंत्रितों का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी प्रतिभागियों द्वारा पढ़ी गई।24 नवंबर 2022 को चंदननगर सरकारी कॉलेज, पश्चिम बंगाल के छात्रों को एएमआर और उसके प्रबंधन पर डॉ. ए. के. साहू ने एएमआर और एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण के महत्व पर प्रतिभागियों को संवेदनशील बनाने के लिए एक व्याख्यान दिया। इन सभी गतिविधियों का समन्वय डॉ. ए. के. साहू, डॉ. ए. के. बेरा और एएमआर परियोजना के टीम सदस्यों द्वारा किया गया। किसानों, छात्रों और आम जनता का प्रतिनिधित्व करने वाले 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। पूरा कार्यक्रम डॉ बि.के.दास, निदेशक के मार्गदर्शन में संचालित हुआ।

मुख्य शोध उपलब्धियां

- संस्थान ने महानदी के पूरे खंड में मत्स्य पकड़ आकलन का सर्वेक्षण पूरा किया।
- शेफर मॉडल के प्रयोग से गोबिंद सागर जलाशय, हिमाचल प्रदेश की अधिकतम सतत उपज (MSY) 101.42 किग्रा/हेक्टेयर/वर्ष अनुमानित की गई थी। इसका अनुमानित मत्स्ययन प्रयास (fMSY) 2953 गिलनेट लाइसेंस प्रति वर्ष है।
- रुशिकुल्या मुहाने के ऊपरी हिस्से में मिस्टस गुलियो की पकड़ में काफी कमी आई है, जिसका कारण इसके जल की लवणता स्तर में कमी हो सकती है। मीठा जल प्रजातियों में मुख्यतः वलागो अट्टू दर्ज की गई हैं।
- हाल के महीनों में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेरहामपुर में दो अपशिष्ट-जल आधारित आर्द्रभूमि (चलतिया और बिष्णुपुर) में जल की खराब गुणवत्ता के कारण बड़े पैमाने पर मछलियों के मरने की सूचना मिली है। उन आद्रक्षेत्रों में मछली पकड़ने पर अब प्रतिबंध लगाया गया है। अतः जल की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए शहर के सीवेज और अस्पताल के कचरे से अपशिष्ट जल के प्रवाह को बंद करने/नियमन करने की आवश्यकता है।
- "भारतीय नदी मात्स्यिकी सूचना प्रणाली (IRFIS)" पर वेब पोर्टल विभिन्न नदीय मात्स्यिकी अध्ययनों के प्रमुख अनुसंधान निष्कर्ष प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है।
- अक्टूबर 2022 के दौरान गंगा नदी के प्रयागराज खंड से मछली लैंडिंग का अनुमान 8.85 टन था, जो अक्टूबर 2021 की तुलना में मत्स्य पकड़ में 40.37% की वृद्धि दर्शाता है।
- पटना में गंगा नदी से नवंबर 2022 के दौरान 0.79 टन मछली उतरने का अनुमान लगाया गया था, जो नवंबर 2021 की तुलना में 13.18% की कमी दर्शाता है।
- सितंबर 2022 के दौरान गंगा नदी के प्रयागराज खंड से अनुमानित मछली लैंडिंग 10.455 टन था, जो सितंबर 2021 की तुलना में कुल मछली पकड़ में 58.22% की वृद्धि को दर्शाता है।

बैठकें

- संस्थान के निदेशक और वैज्ञानिकों ने वन्य रेशमकीट उत्पादन : आजीविका के अवसर (Vanya Sericulture : Opportunities Galore) विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। यह संगोष्ठी केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची, झारखंड द्वारा आयोजित दिनांक 28-29 अक्टूबर 2022 को किया गया।
- संस्थान के निदेशक ने दिनांक 27 अक्टूबर 2022 को नेक्सटीन माइक्रो कंसलटिंग एग्रीटेक (अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी) के साथ बैठक में भाग लिया।
- संस्थान ने दिनांक 24 से 28 अक्टूबर 2022 को एफएओ, रोम के साथ वर्चुअल मोड में कापम कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य मत्स्य स्टॉक आँकलन हेतु उत्तम प्रणालियों को विकसित करना है।
- संस्थान के निदेशक ने दिनांक 24 से 28 अक्टूबर 2022 को एफएओ, रोम के साथ वर्चुअल मोड में कापम कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य मत्स्य स्टॉक आँकलन हेतु उत्तम प्रणालियों को विकसित करना है।
- संस्थान के निदेशक ने दिनांक 2 नवंबर 2022 को वर्ल्ड फिश के साथ वर्चुअल मोड में आयोजित बैठक में भाग लिया।
- संस्थान के निदेशक ने दिनांक 18 से 19 अक्टूबर 2022 को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी, "आजीविका एवं पोषण सुरक्षा हेतु मात्स्यिकी और जलकृषि" में भाग लिया। यह संगोष्ठी संयुक्त तौर पर भाकृअनुप-शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय, भीमताल, उत्तराखंड तथा कोल्डवाटर फिशरीज सोसायटी ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में संस्थान के निदेशक ने आजीविका तथा पोषण सुरक्षा में मछली की भूमिका" पर दिनांक 18 अक्टूबर 2022 को एक व्याख्यान दिया।
- संस्थान ने दिनांक 7 नवंबर 2022 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की क्षेत्रीय समिति-IV की 16वीं बैठक में भाग लिया। यह बैठक सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डा. हिमांशु

पाठक की अध्यक्षता में भाकृअनुप-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश में आयोजित हुआ।

अन्य

- संस्थान में दिनांक 25-31 अक्टूबर, 2022 के दौरान संस्थान मुख्यालय, बैरकपुर और क्षेत्रीय केंद्रों, प्रयागराज, गुवाहाटी, बैंगलोर, वडोदरा, कोच्चि और कोलकाता में 'स्वच्छ भारत अभियान' पर विशेष अभियान चलाया गया।
- संस्थान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022 का आयोजन दिनांक 31 अक्टूबर से 07 नवंबर, 2022 के दौरान किया गया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे शपथ लेना, चित्रकारी प्रतियोगिता, आशुलिपि, क्विज, जन-जागरूकता अभियान आदि आयोजित किए गए।
- दिनांक 11 दिसंबर 2021 को आयोजित पूर्वोत्तर राज्यों के लिए भाकृअनुप-क्षेत्रीय समिति की बैठक (आरसीएम क्षेत्र III) के कार्य बिंदुओं के अनुसार, संस्थान के वैज्ञानिक टीम ने राज्य के खुला जल क्षेत्रों में केकड़ों और मोलस्क (घोंघे) की प्रजाति विविधता अध्ययन के लिए मिजोरम के विभिन्न जिलों का दौरा किया। इस दौरान मीठाजल केकड़ा प्रजाति, (मेडेलियाथेल्पफुसा फालसीडिजाइटिस और सार्तोरियाना स्पिनिजेरा) और मोलस्क (ब्रोटिया कोस्टुला और पलुडोमस कोनिका) को दर्ज किया गया। इस राज्य में इन सभी प्रजातियों को मानव द्वारा उपभोग किया जाता है।
- संस्थान ने दिनांक 11 नवंबर, 2022 आभासी मोड में मैसर्स URS प्रमाणन लिमिटेड के साथ दूसरी लेखापरीक्षा बैठक में भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य संस्थान को आइएसओ 9001:2015 का पुन: प्रमाणन करना है।
- संस्थान ने दिनांक 21 नवंबर, 2022 को विश्व मत्स्य दिवस 2022 का आयोजन किया जिसमें 75 से अधिक मछली किसानों और 100 से सिफरी कर्मियों ने भाग लिया।
- संस्थान ने 19-25 नवंबर, 2022 के दौरान सांप्रदायिक सद्भाव सप्ताह 2022 मनाया।
- नमामि गंगे परियोजना के तहत बैरकपुर, पश्चिम बंगाल के गंगा घाट पर दिनांक 21 नवंबर 2022 को इंडियन मेजर कार्प की 1,10,000 अंगुलिकाओं और झींगा मछली की 20000 पोनों को छोड़ा गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

- दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 को मत्स्य पालन विभाग, मणिपुर के सहयोग से कामजोंग जिला, मणिपुर के मेपिथेल जलाशय में पिंजरों से मछली की उपज प्राप्त के अवसर पर फील्ड दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 35 पिंजरा में मछली पालन करने वालों किसानों ने भाग लिया।
- मापीथेल जलाशय, कामजोंग जिला, मणिपुर में दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 को 'स्वच्छ भारत अभियान' पर आयोजित किया गया।
- बीकेसी कॉलेज, पश्चिम बंगाल के 27 स्नातकोत्तर (एम.एस.सी.) छात्रों ने दिनांक 03 नवंबर, 2022 को संस्थान भ्रमण में भाग लिया।
- बीकेसी कॉलेज, पश्चिम बंगाल के 09 स्नातकोत्तर (एम.एस.सी.) छात्रों ने दिनांक 03 नवंबर, 2022 को संस्थान भ्रमण में भाग लिया।
- भाकृअनुप-सिफरी ने 3-5 नवंबर, 2022 के दौरान बांदा विश्वविद्यालय कृषि और प्रौद्योगिकी, बांदा द्वारा आयोजित किसान मेले में भाग लिया।
- संस्थान में बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद, झारखंड के जूलॉजी (स्पेशल फिश एंड फिशरीज) के छात्रों के लिए "अन्तर्स्थलीय मत्स्य प्रबंधन" पर अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 09-16 नवंबर, 2022 को आयोजित किया गया जिसमें 45 छात्रों ने भाग लिया।
- दिनांक 15 नवंबर, 2022 को पश्चिम बंगाल के सुंदरवन के सुदूर आदिवासी गांव, पालोतघाट, काकद्वीप में भाकृअनुप-सिफरी द्वारा जन जाति गौरव दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान ने 150 मछुआरों का चयन किया जिनके कौशल विकास और आजीविका वृद्धि में संस्थान पूर्ण सहयोग देगा।
- दिनांक 14 नवंबर, 2022 को उप-महानिदेशक (फसल विज्ञान) की ऑनलाइन प्रस्तुति में क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों सहित सिफरी के सभी वैज्ञानिकों ने भाग लिया।
- दिनांक 17 नवंबर, 2022 को उप-महानिदेशक (कृषि इंजीनियरिंग) की ऑनलाइन प्रस्तुति में क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों सहित सिफरी के सभी वैज्ञानिकों ने भाग लिया।
- दिनांक 22 नवंबर, 2022 को उप-महानिदेशक (पशु विज्ञान) की ऑनलाइन प्रस्तुति में क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों सहित सिफरी के सभी वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

वर्ष 2022 के दौरान सेवानिवृत्ति विवरण

संस्थान के प्रयागराज केन्द्र में कार्यरत डॉ. कल्पना श्रीवास्तव, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, ने दिनांक 31 जनवरी 2022 को अपने कार्यकाल को पूर्ण करते हुए सेवानिवृत हुई। संस्थान के तरफ से डॉ. कल्पना श्रीवास्तव, के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र के सभी कर्मचारियों ने डॉ. श्रीवास्तव, को स्वस्थ एवं सुखी अवकाश जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

संस्थान के प्रयागराज केन्द्र में कार्यरत श्री गोपाल चंद, कुशल सहायक दिनांक ने दिनांक 31 जनवरी 2022 को अपने कार्यकाल को पूर्ण करके सेवानिवृत हुये। संस्थान के तरफ से श्री गोपाल चंद, के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र के सभी कर्मचारियों ने श्री गोपाल, को स्वस्थ एवं सुखी अवकाश जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी।

संस्थान के बेगलुरु केन्द्र में कार्यरत श्री आर. नागराजन, कुशल सहायक, ने दिनांक 31 मई, 2022 को अपने कार्यकाल को पूर्ण करते हुये सेवानिवृत हुये। संस्थान के तरफ से श्री नागराजन, के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र के सभी कर्मचारियों ने श्री नागराजन, को स्वस्थ एवं सुखी अवकाश जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

संस्थान के बेगलुरु केन्द्र में कार्यरत श्री ऍम मारी तकनीशियन, कुशल सहायक ने दिनांक 31 मई, 2022 को अपने कार्यकाल को पूर्ण करकेसेवानिवृत हुए। संस्थान के तरफ से श्री मारी, के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र के सभी कर्मचारियों ने श्री मारी, को स्वस्थ एवं सुखी अवकाश जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

संस्थान के बेगलुरु केन्द्र में कार्यरत जी. विनोदा लक्ष्मी, निजी सहायक ने दिनांक 31 जुलाई, 2022 को अपने कार्यकाल को पूर्ण करते हुये श्री सेवानिवृत हुये।। संस्थान के तरफ से श्रीमती जी. विनोदा लक्ष्मी, , के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र के सभी कर्मचारियों ने श्रीमती जी. विनोदा लक्ष्मी, को स्वस्थ एवं सुखी अवकाश जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

संस्थान मुख्यालय में कार्यरत श्री शुबेंदु मण्डल, तकीनीकी अधिकारी ने दिनांक 31 जुलाई 2022 को अपने कार्यकाल को पूर्ण करके सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर सिफरी मनोरंजन क्लब के तरफ से श्री मण्डल के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहकर्मियों ने श्री मण्डल को स्वस्थ एवं सुखी अवकाश जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

संस्थान मुख्यालय में कार्यरत श्री अतनु दास, तकनीकी अधिकारी ने दिनांक 31 अक्टूबर 2022 को अपने कार्यकाल को पूर्ण करके सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर सिफरी मनोरंजन क्लब के तरफ से श्री दास के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहकर्मियों ने श्री मण्डल को स्वस्थ एवं सुखी अवकाश जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

संस्थान कोलकता केन्द्र में कार्यरत श्री अरुणाव मित्रा , तकनीकी अधिकारी ने दिनांक 31 नवम्बर, 2022 को अपने कार्यकाल को पूर्ण करते हुये सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर केन्द्र के तरफ से श्री मित्रा के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहकर्मियों ने श्री मित्रा को स्वस्थ एवं सुखी अवकाश जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

श्रद्धांजलि

दिनांक 8 मार्च 2022 को संस्थान के सहायक प्रशासनिक अधिकारी, श्री किशोर साव का निधन हो गया। संस्थान उनके असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करता है ।

सिफरी समाचार पत्रों एवं संचार माध्यम में

ସିଫ୍ରି ଓ ଆଇସିଏଆର୍ ପକ୍ଷରୁ ବାରାକପୁରରେ ବିଶ୍ୱ ମତ୍ସ୍ୟ ଦିବସ

দুরন্ত বার্তা

ব্যারাকপুরের কেন্দ্রীয় অন্তর্স্থলীয় মৎস্য গবেষণা সংস্থানে অনুষ্ঠিত

বিশ্ব মৎস্য দিবসে মৎস্যচাষীদের সম্মাননা

দুরন্তবার্তা, ব্যারাকপুর, ২২ নভেম্বর ঃ সম্প্রতি ভারতীয় কৃষি অনুসন্ধান পরিষদের অন্তর্গত ব্যারাকপুরের কেন্দ্রীয় অন্তর্স্থলীয় মৎস্য গবেষণা সংস্থানে অনুষ্ঠিত হয়ে গেল ৮ম বিশ্ব মৎস্য দিবস। এই অনুষ্ঠান প্রধান অতিথি হিসেবে চেয়ারম্যান, স্বামী শিবপূর্ণান্দজি মহারাজ। এছাড়াও সম্মানিত অতিথি হিসাবে ছিলেন বর্ধমান বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রো-ভাইস চ্যান্সেলর, অধ্যাপক আশিষ কুমার পানিগ্রাহী। পশ্চিমবঙ্গের থেকে আগত প্রায় হেমব্রম, কুলতলী থেকে বাবলি মন্ডল ও বীরভূম থেকে সুখদি মার্ডি) এবং একজন মৎস্য উদ্যোগপতিকে (অশোকনগর থেকে দীপঙ্কর মজুমদার) এই দিনের অনুষ্ঠানে "সেরা মৎস্য চাষী-২০২২" সম্মানে ভূষিত করা হয়। এনারা প্রত্যেকেই মৎস্যচাষের বিভিন্ন ক্ষেত্রে (আর্দ্রভূমি, রঙিন মাছ চাষ, পুকুরে মাছ চাষ ইত্যাদি) নিজ নিজ দক্ষতার পরিচয় দিয়েছেন। এছাড়াও এই দিনের অনুষ্ঠানের অলোচনাসভায় অংশগ্রহণ করেন পশ্চিমবঙ্গের ৫ টি জেলার কৃষিবিজ্ঞান কেন্দ্র থেকে আগত মৎস্য বিষয়ক বিশেষজ্ঞগণ। সংস্থানের অধিকর্তা ডঃ বসন্ত কুমার দাস এই দিন জানান যে, সিফ্রি

দুরন্ত বার্তা

কেন্দ্রীয় মৎস্য গবেষণা সংস্থার তরফে গৌরব দিবস উপলক্ষ্যে একটি অনুষ্ঠান

দুরন্তবার্তা, বারাকপুর, ১৫ নভেম্বর ঃ কেন্দ্রীয় মৎস্য গবেষণা সংস্থা বারাকপুর জনজাতির গৌরব দিবস উপলক্ষ্যে ১৫ নভেম্বর সুন্দরবনের প্রত্যন্ত প্রান্ত পালটঘাটে একটি অনুষ্ঠানের আয়োজন করেছিল। এর মুখ্য উদ্দেশ্য ছিল আদিবাসী মানুষদের জীবন ও জীবিকার উন্নতি সাধন। গত ২ বছর যাবৎ আইসিএআর সিফরি সাগর কৃষ্ণনগর বিবেকানন্দ ইয়ুথ কালচারাল সোসাইটির সাথে হাত মিলিয়ে পালটঘাট অঞ্চল, কাকদ্বীপ এর ৭টি গ্রামে ১৫০ টি আদিবাসী পরিবারে জীবন জীবিককের উন্নতি সাধনে নিরন্তর প্রয়াস চালিয়ে যাচ্ছে। এই উদ্দেশ্যে মহান আদিবাসী নেতা বিরসা মুন্ডার জন্ম দিবসে ১৫০ টি আদিবাসী পরিবারকে ৭৫০ কেজি মাছের চারা, ৩ টন চুন এবং ১৫ টন মাছের খাবার বিতরণ করা হয়। এই উপলক্ষ্যে এইদিন এখানে উপস্থিত ছিলেন কেন্দ্রীয় মৎস্য গবেষণা কেন্দ্রের নির্দেশক ড. বসন্ত কুমার দাস মহাশয়। প্রথাগতভাবে মহান নেতা বিরসা মুন্ডার ছবিতে মাল্য দান এবং প্রদীপ প্রজ্বলন করে ড. দাস অনুষ্ঠানের উদ্বোধন করেন। আদিবাসী মহিলারা পারম্পরিক ধামসা নৃত্য পরিবেশনের মাধ্যমে অনুষ্ঠানের শুভ সূচনা করেন। ড. বি. কে. দাস ওনার স্বাগত ভাষণে সমস্ত আদিবাসী ভাই-বোনদের উষ্ণ অভিনন্দন জানিয়ে আগামী দিনে সিফরির হাত ধরে তাদের অর্থ সামাজিক উন্নয়নকল্পে এগিয়ে আসার আমন্ত্রণ জানান। বৈজ্ঞানিক ভিত্তিতে মাছ চাষ আদিবাসীদের আর্থ সামাজিক ভাবে কিভাবে উন্নতি সাধন করতে পারে তার ব্যাখ্যাও তিনি দেন. এরপর মাছ চাষের সামগ্রী বিতরণ করা হয় ও কিছু আদিবাসী পরিবারে তাদের পরিবারের সদস্যদের সাথে ড. দাস স্বয়ং মাছের চারা ছাড়েন। সিফরি পশ্চিমবঙ্গের বিভিন্ন আদিবাসী জনজাতির সাথে কাজ করছে এবং তাদের জীবন জীবিকা ও পুষ্টি সুরক্ষায় নিরন্তর প্রয়াস চালাচ্ছে। সুন্দরবনের গঙ্গাসাগর ও গোসাবা, পুরুলিয়া, বীরভূম, মালদা, কালিম্পঙ, আলিপুরদুয়ারে এখনো পর্যন্ত ২০০০ আদিবাসী পরিবার সিফরির মাধ্যমে উপকৃত হয়েছে। সিফরি এই কাজগুলো উপজাতীয় উপপ্রকল্প (টিএসপি) এর মাধ্যমে পরিচালনা করছে।

अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को रंगीन मछली पालन के लिए किट वितरित

विशेष संवाददाता

रांची। केन्द्रीय अंतरस्थलीय मात्सियकी अनुसंधान संस्थान, (सीआईएफआरआई), बैरकपुर (कोलकाता) द्वारा 30 अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को रंगीन मछली पालन हेतु किट एवं मछली का वितरण किया गया। ट्राईवल सब प्लान के कम्पोनेंट द्वारा इस योजना का लाभ स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान के अन्तर्गत दिया गया है। सिमडेगा जिला मत्स्य कार्यालय में शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में सीआईएफ आरआई के निदेशक डॉ.बीके दास, प्रधान वैज्ञानिक डॉ आर्यन कांति दास, खूंटी के जिला मत्स्य पदाधिकारी नवराजन तिर्की सहित अन्य ने महिला मत्स्य पालकों का उत्साहवर्धन किया।

किंग फिशरीज प्रक्षेत्र में बायोफ्लॉक वह आरएएस स्थल का भ्रमण : निदेशक सीआईएफआरआई डॉ. बीके दास एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ.अर्चन कांति दास ने रातू स्थित किंग फिशरीज प्रक्षेत्र में बायोफ्लाक एवं आरएएस का स्थल भ्रमण किया। सिमडेगा से लौटने के क्रम में मत्स्य विभाग द्वारा पीएमएमएसवाई अन्तर्गत संचालित योजनाओं का अधिकारियों द्वारा अवलोकन किया गया। सराहनीय उपलब्धि से दोनों अधिकारी काफी प्रभावित हुए। किंग फीशरीज के संचालक निशान्त कुमार ने वैज्ञानिकों को अपने फार्म का भ्रमण कराया।

जिला मत्स्य कार्यालय में रंगीन मछली पालन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

सिमडेगा (प्रभात मंत्र संवाददाता): जिला मत्स्य कार्यालय में सेंट्रल इनलैंड फिशरीज रिसर्च सेंटर बैरकपुर कोलकाता के निदेशक डॉ बीके दास प्रधान वैज्ञानिक एके दास एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी कुसुमलता के द्वारा सिमडेगा में रंगीन मछली पालन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अनुसूचित जनजाति वर्ग के 30 महिलाओं को शत प्रतिशत अनुदान पर रंगीन मछली पालन हेतु टैंक की एवं रंगीन मछली प्रदान की गई। जिला मत्स्य कार्यालय सिमडेगा द्वारा इन रंगीन मछली पालन के लाभुकों को प्रशिक्षण हेतु शीघ्र बैरकपुर कोलकाता भेजा जाएगा। मौके पर उपस्थित निदेशक डॉ बीके दास ने बताया कि रंगीन मछली पालन से महिलाएं ग्रामीण स्तर पर अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं उन के माध्यम से इस क्षेत्र में मछली पालन के क्षेत्र में सिमडेगा अग्रणी बनेगा और इसके लिए जिला मत्स्य कार्यालय सभी प्रकार की सहयोग करेगी जिला मत्स्य पदाधिकारी ने कहा कि जल्द इन्हें प्रशिक्षण देकर सिमडेगा जिले के कई जगहों पर रंगीन मछली पालन की शुरुआत की जाएगी ।जिससे कि यहां की महिलाएं सवलम्बी बन सके।

राष्ट्रीय नवीन मेल

जिला मत्स्य कार्यालय में रंगीन मछली पालन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

सिमडेगा। जिला मत्स्य कार्यालय में सेंट्रल इनलैंड फिशरीज रिसर्च सेंटर बैरकपुर कोलकाता के निदेशक डॉ बीके दास प्रधान वैज्ञानिक एके दास एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी कुसुमलता के द्वारा सिमडेगा में रंगीन मछली पालन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अनुसूचित जनजाति वर्ग के 30 महिलाओं को शत प्रतिशत अनुदान पर रंगीन मछली पालन हेतु टैंक की एवं रंगीन मछली प्रदान की गई ।जिला मत्स्य कार्यालय सिमडेगा द्वारा इन रंगीन मछली पालन के लाभुकों को प्रशिक्षण हेतु शीघ्र बैरकपुर कोलकाता भेजा जाएगा। मौके पर उपस्थित निदेशक डॉ बीके दास ने बताया कि रंगीन मछली पालन से महिलाएं ग्रामीण स्तर पर अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं उन के माध्यम से इस क्षेत्र में मछली पालन के क्षेत्र में सिमडेगा अग्रणी बनेगा और इसके लिए जिला मत्स्य कार्यालय सभी प्रकार की सहयोग करेगी जिला मत्स्य पदाधिकारी ने कहा कि जल्द इन्हें प्रशिक्षण देकर सिमडेगा जिले के कई जगहों पर रंगीन मछली पालन की शुरूआत की जाएगी ।जिससे कि यहां की महिलाएं सवलम्बी बन सके।

प्रकाशन मंडल

प्रकाशक: बसन्त कुमार दास, निदेशक,

संकलन एवं सम्पादन: संजीव कुमार साहू, प्रवीण मौर्य, गणेश चंद्र, सुनीता प्रसाद एवं सुमेधा दास

फोटोग्राफी: सुजीत चौधरी एवं सम्बंधित वैज्ञानिक।

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान,(आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित संगठन), बैरकपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल 700120, भारत

दूरभाष: +91-33-25921190/91; फैक्स: +91-33-25920388; ई- मेल : director.cifri@icar.gov.in; वेबसाइट : www.cifri.res.in

ISSN 0970-616X

सिफरी मसिक समाचार में निहित सामग्री प्रकाशक की अनुमति के बिना किसी भी रूप में पुन: उत्पन्न नहीं की जा सकती है